।। श्री हनुमान वन्दना ।।

लाल लंगोटो हाथ में घोटो,
थारी जय हो पवन कुमार, वारी जाऊँ बालाजी .....

सालासर थारो देवरो, मेहन्दीपुर भी देवरो,
थारै नौबत बाजै द्वार, वारी जाऊँ बालाजी .....

चैत सुदी पूनम को मेलो बाबा,
थारै आवै भगत अपार, वारी जाऊँ बालाजी .....

ध्वजा नारियल चढ़े चूरमो,
थारै सिर पर छत्र हजार, वारी जाऊँ बालाजी .....

घर-घर में थारी ज्योत जगै है,
भगत करै जयकार, वारी जाऊँ बालाजी .....

भगतां का थे कारज सारो,
थारी महिमा है अपराम्पार, वारी जाऊँ बालाजी .....

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com